

अज्ञात, जिसके निश्चय में लेशमात्र जानकारी न हो; कानोकान खबर न होना-कुछ भी सुनने में न आना।

कान पुं. (तद्.) अधूरे, अपूर्ण उदा. "हरि विणि सब सुख कानै" -मीरा (पद 73)।

कानन पुं. (तत्.) 1. वाटिका 2. घर 3. जंगल 4. ब्रह्मा का मुख।

काननाग्नि स्त्री. (तत्.) दावानल, जंगल की आग जो डालों की रगड़ से लग जाती है।

काननौका पुं. (तत्.) जंगल में रहनेवाला।

कानफरेंस पुं. (अं.) 1. सभा 2. किसी आवश्यक निर्णय के लिए एकत्र जनसमूह 3. किसी विषय पर किसी निष्कर्ष के लिए एकत्रित विशिष्ट लोग।

कानवेंट पुं. (अं.) 1. ईसाई संन्यासियों का संघ 2. पादरियों द्वारा संचालित शिक्षा संस्था।

काना पुं. (तद्.काण) 1. जिसकी एक आँख फूट गई हो, एकाक्ष मुहा. काने को काना कहना- बुरे को बुरा कहना; 2. जिसका कुछ भाग कीड़ों ने खा लिया हो, दागी 3. टेढ़ा, तिरछा पुं. चौसर के पासे की बिंदी (तीन काने)।

कानाकानी स्त्री. (देश.) कानाफूसी, चर्चा प्रयो. मुझे तब पता चला जब लोगों में इस बात की कानाकानी हो रही थी।

कानागोसी स्त्री. (देश.) कानाफूसी।

कानाफूसी स्त्री. (देश.) वह बात जो कान के पास जाकर धीरे से कही जाए।

कानाबाती पुं. (देश.) चुपके चुपके कान में बात कहना, कानाफूसी।

कानि स्त्री. (देश.) लोकमर्यादा, लोक लज्जा।

कानी उंगली स्त्री. (देश.) सबसे छोटी उंगली, छिगुनी।

कानी कौड़ी स्त्री. (देश.) झंझी कौड़ी मुहा. कानी कौड़ी न होना- बिलकुल निर्धन होना।

कानी स्त्री. (देश.) 1. एक आँखवाली 2. सबसे छोटी उंगली।

कानीन वि. (तत्.) क्वारी कन्या से उत्पन्न, कन्याजात पुं. (तत्.) कुमारी कन्या का पुत्र जैसे- व्यास और कर्ण।

कानून पुं. (अर.) 1. राज्य में शांति रखने का नियम, राज नियम, विधि मुहा. कानून छँटना-कानूनी बहस करना, कुतर्क करना, इज्जत करना 2. एक रूमी बाजा।

कानूनगो पुं. (अर.कानून फा.गो) माल का एक कर्मचारी जो पटवारियों के उन कागजों की जाँच करता है जिनमें खेतों ओर उनके लगान आदि का हिसाब किताब रखता है।

कानूनदाँ पुं. (अर.+फा) 1. कानून जानने वाला 2. कानून छँटनेवाला, कुतर्की।

कानूनी वि. (अर.) 1. कानून से संबद्ध 2. जो नियमानुकूल हो 3. अदालती 4. जो कानून जाने 5. तकरार करने वाला।

कान्हड़ा पुं. (तद्.) संगी. एक राग जो मेघ राग का पुत्र समझा जाता है।

कान्हड़ा नट पुं. (तद्.) एक संकर राग जो कान्हड़े और नट के मिलाने से बनता है, यह रात के दूसरे पहर में गाया जाता है।

कान्हड़ी स्त्री. (तद्.) एक रागनी जो दीपक राग की पत्नी मानी जाती है।

कान्हा पुं. (तद्.) श्री कृष्ण।

कापालिक पुं. (तत्.) 1. शैवमत का तांत्रिक साधु जो मनुष्य की खोपड़ी लिए रहता है और मद्य मांसादि खाता है 2. 'तंत्रसार' के अनुसार बंग देश की एक वर्णसंकर जाति।

कापालिका स्त्री. (तत्.) प्राचीन काल का एक बाजा जो मुँह से बजाया जाता है।

कापाली/कपाली पुं. (तत्.) 1. शिव 2. एक प्रकार का वर्ण संकर 3. कपालों की माला धारण करने वाला।